

## CHAPTER-VII

### पापा खो गए

#### 2 MARK QUESTIONS

35/102

नाटक से-

1. नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पत्र कौनसा लगा और क्यों ?

उत्तर: नाटक में सबसे समझदार पत्र कौआ है क्योंकि कौआ की बुद्धि के कारण ही लेटरबोक्स संदेशा लिख पाता है एवं लड़की उस दुष्ट आदमी से बच जाती है। इसके अलावा कौए के पास सभी समाचार रहते हैं जिसे वह सबको घूम-घूम कर बताता है और वह उनके काम भी आती है।

2. पेड़ और खम्भे में दोस्ती कैसे हुई?

उत्तर: पेड़ और खंभा हमेशा एक दूसरे के साथ रहते थे। इसके बावजूद भी खंभा अपनी अकड़ के कारण पेड़ से कुछ नहीं बोलता था। लेकिन एक दिन ज़ोर से आँधी आयी। आँधी के कारण गिरते हुए खम्भे को पेड़ अपने ऊपर चोट लेकर सरलता से बचा लेता है तो खम्भे का घमंड टूट जाता है और उन दोनों में दोस्ती हो जाती है।

3. लेटरबोक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर: लेटरबोक्स का रंग लाल था और वह पूरी तरह से लाल रंग में रंगा हुआ था। साथ ही लेटरबोक्स की बातें हमेशा बड़ों जैसी और समझदारों वाली होती थी इसीलिए सभी उसे प्यार से लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

4. लाल ताऊ किस प्रकार बाक़ी पात्रों से भिन्न है?

**उत्तर:** लाल ताऊ सभी पात्रों से इसलिए भिन्न है क्योंकि सभी पात्रों में केवल लाल ताऊ को ही पढ़ना लिखना आता है। वह इधर उधर भी जा सकता है व नाच भी सकता है। लाल ताऊ दोहे व भजन भी गाता है इसीलिए वह बाक़ी सभी से अलग है।

**5. नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन कौन सी बातें आपको मज़ेदार लगी? लिखिए।**

**उत्तर:** नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है और वह है कौआ। कौए की कुछ मज़ेदार बातें निम्नलिखित हैं-

(क) "वह दुष्ट है कौन ? पहले उसे नज़र तो आने दीजिए।"

(ख) लड़की के नींद से जग जाने तथा "कौन बोल रहा" पूछने पर कहना- "मैंने नहीं किया" ।

(ग) सुबह जब हो जाए तो पेड़ राजा, आप अपनी घनी छाया इस पर किए रहे। वह आराम से देर तक सोयी रहेगी।

36/102

**6. क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?**

**उत्तर:** नाटक के सभी पात्र लड़की को लेकर चिंता में थे और वे सभी उस लड़की को उसके घर पहुँचाना चाहते थे परंतु यह सम्भव नहीं हो पा रहा था क्योंकि लड़की की उम्र बहुत कम थी और वह बहुत भोली थी। उसे अपने घर का रास्ता भी नहीं पता था। यहाँ तक कि उसे अपने पापा का नाम तक भी नहीं पता था। इन सभी वजहों से लड़की को उसके घर पहुँचाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था।

**नाटक से आगे -**

**7. मराठी से अनुदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।**

**उत्तर:** बच्ची बहुत छोटी थी और उसे अपने घर का पता व अपने पिता का नाम तक भी नहीं पता था। इस नाटक में सभी पात्र मिलकर केवल बच्ची के पिता को ढुंढने के उपाय ढूँढ रहे हैं, इसी वजह से इस एकांकी का शीर्षक 'पापा खो गये' रखा गया होगा। इस नाटक में बच्ची अपने पिता से बिछड़ कर खो गयी है। एकांकी का शीर्षक लापता बच्ची भी रखा जा सकता था, क्योंकि नाटक के अधिकांश हिस्से में बच्ची के ही नाम, पते को जानने की कोशिश की जा रही है।

**8. क्या आप बच्ची के पापा को खोजने का नाटक से अलग कोई और तरीका बता सकते हैं?**

**उत्तर:** वर्तमान समय में सभी लोग एक दूसरे से जुड़े होते हैं। बच्ची के पिता को खोजने के लिए पुलिस स्टेशन जाकर बच्ची का ब्योरा पुलिस को दिया जा सकता है जिससे पुलिस खुद बच्ची का पता ढूँढ कर बच्ची को उसके घर पहुँचा देगी। इसके अलावा अखबारों में, दूरदर्शन पर, सोशल मीडिया जैसे- फ़ेसबुक और वट्सऐप की मदद से बच्ची की गुमशुदा की खबर दी जा सकती है।

## **5 MARK QUESTIONS**

**1. अनुमान लगाइए कि जिस समय बच्ची को चोर ने उठाया होगा वह किस स्थिति में होगी? क्या वह पार्क/ मैदान में खेल रही होगी या घर से रूठ कर भाग गयी होगी या कोई अन्य कारण होगा?**

**उत्तर:** इस नाटक को पढ़ कर ऐसा लगता है कि बच्ची को उसके घर से उठाया गया था क्योंकि जिसने बच्ची को उठाया था वो कहता है कि- "अभी-अभी एक घर से ये बच्ची उठाई है मैंने, गहरी नींद में सो रही थी"। इसके अलावा अगर बच्ची को किसी पार्क या मैदान से उठाया गया होता तो बच्ची जाग गयी होती और चीखती चिल्लाती जिससे वहां पर मौजूद आस पास के लोग इक्कठा हो गये होते। परंतु ऐसी किसी घटना का नाटक में वर्णन नहीं हुआ है। अतः बच्ची को सोते हुए उसके घर से ही उठाया गया होगा।

38/102

**2. नाटक में दिखाई गयी घटना को ध्यान में रखते हुए यह भी बताइए कि अपनी सुरक्षा के लिए बच्चें आज कल क्या-क्या कर सकते हैं। संकेत के रूप में नीचे कुछ उपाय सुझाए जा रहे हैं। आप इससे अलग कुछ और उपाय लिखिए।**

- \* समूह में चलना
- \* एकजुट होकर बच्चा उठानेवालों या ऐसी घटनाओं का विरोध करना।
- \* अनजान व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक मिलना।

**उत्तर:**

- \* छोटे बच्चों को हमेशा अपने माता पिता या फिर घर के किसी बड़े के साथ ही बाहर जाना चाहिए। और उनका हाथ पकड़ कर रखना चाहिए।
- \* किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार की चीज़ें नहीं लेनी चाहिए।
- \* अगर कोई भी अनजान व्यक्ति आपको किसी भी चीज़ का लालच दे या फिर आपको परेशान करे तो उसका विरोध करना चाहिए। जिससे कि आपके आस पास के लोग आपकी सहायता के लिए आ जाए।



3. आपने देखा होगा कि नाटक के बीच - बीच में कुछ निर्देश दिए गये हैं। ऐसे निर्देशों से नाटक के दृश्य स्पष्ट होते हैं, जिन्हें नाटक खेलते हुए मंच पर दिखाया जाता है, जैसे- 'सड़क / रात का समय..... दूर कहीं कुत्तों के भौकने की आवाज़।' यदि आपको रात का दृश्य मंच पर दिखाना हो तो क्या-क्या करोगे, सोचकर लिखिए।

उत्तर: रात का समय दिखाने के लिए मंच की रोशनी कम की जा सकती है काला कपड़ा लगाया जा सकता है। मंच पर कुछ तारें व एक चाँद भी लगाया जा सकता है। मंच की सभी लाइट को बंद कर सकते हैं। रात के दृश्य को और भी सजीव बनाने के लिए आधी रात में अंधेरे में केवल एक रोशनी लगायी जा सकती है।

4. पाठ को पढ़ते हुए आपका ध्यान कई तरह के विराम चिह्नों की ओर गया होगा। अगले पृष्ठ पर दिए गये अंश से विराम चिह्नों को हटा दिया गया है। ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उपयुक्त चिह्न लगाइए-

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी अरे बाप रे वो बिजली थी या आफ़त याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहाँ खड़्का कितना गहरा पड़ गया था खम्भे महाराज अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है अंग थर थर काँपने लगते हैं।

उत्तर: पाठ से लिए गए उपयुक्त खंड को ध्यान से पढ़ने के पश्चात निम्न प्रकार से विराम चिह्न एवं अल्प विराम चिह्नों को लगाया जा सकता है।

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी। अरे, बाप रे! वो बिजली थी या आफ़त; याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी, वहाँ खड़्का कितना गहरा पड़ गया था। खम्भे महाराज! अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है, अंग थर थर काँपने लगते हैं।

5. आस- पास की निर्जीव चीज़ों को ध्यान में रखकर कुछ संवाद लिखिए, जैसे-

- \* चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद
- \* कलम का कॉपी से संवाद
- \* खिड़की का दरवाज़े से संवाद

उत्तर:

- \* चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद-

**चॉक-** मैं कितनी गोरी हूँ ।

**ब्लैक बोर्ड-** हाँ वो तो तुम हो ।

**चॉक-** और तुम कितने काले हो ।

**ब्लैक बोर्ड-** हम दोनों कितने अलग-अलग है ना?

**चॉक-** हाँ, पर तुम काले हो तभी मैं तुम पर सब लिख पाती हूँ और सुंदर लगता है।

**ब्लैक बोर्ड-** हाँ और सब बच्चे पढ़ते हैं।

**\* कलम का काँपी से संवाद -**

**कलम-** मैं सभी को बहुत ज़्यादा प्रिय हूँ।

**काँपी-** हाँ वो तो तुम हो ।

**कलम-** सभी लोग हमेशा मुझे अपने पास रखते हैं

**काँपी-** हाँ, क्योंकि तुम्हारी ज़रूरत सबको पड़ती रहती है ना।

**कलम-** तुमको पता है एक बात?

**काँपी-** क्या बात? बताओ तो!

**कलम-** मुझे लगता है ना कि इस दुनिया में मेरे बिना कुछ नहीं हो सकता।

**काँपी-** देखो कलम तुम अच्छी हो और सबको तुम्हारी ज़रूरत हमेशा रहती है परंतु ऐसे घमंड नहीं करते ।

**कलम-** क्यों बात तो सही है ना, तुम क्या जानो खुद एक जगह पड़ी रहती हो जब मेरा मन करे आकर तुम पर लिख कर चली जाती हूँ।

**काँपी-** तुम चाहें कितनी भी खूबसूरत हो जाओ या फिर कितना ही लोगों की पसंद बन जाओ पर लिखने के लिए तो तुम्हें मुझसे ही कागज़ माँगना पड़ेगा ना इसलिए हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए।

**कलम-** ठीक है काँपी, मुझे माफ़ करदो।

**\* खिड़की का दरवाज़े से संवाद**

**खिड़की-** भैया हम दोनो के नए-नए पर्दे कितने अच्छे हैं ना ?

**दरवाज़ा-** हाँ, खिड़की बहुत अच्छे हैं और एक जैसे भी हैं!

**खिड़की-** एक जैसे तो हैं पर आपके पर्दे बड़े क्यों हैं?

**दरवाज़ा-** खिड़की मेरे पर्दे बड़े इसलिए हैं क्योंकि अगर छोटे रह गये तो नीचे से तो सब दिखेगा ना?

और मैं लम्बा भी हूँ इसीलिए बड़े पर्दे चाहिए ना ।

**खिड़की-** पर भैया मेरे पर्दे बड़े कब होंगे?

**दरवाज़ा-** जब तुम बड़ी हो जाओगी तो तुम्हारे पर्दे भी बड़े हो जाएँगे।

41/102

**6. उपर्युक्त में से दस पंद्रह संवादों को चुने उनके साथ दृश्यों की कल्पना करे और छोटा सा नाटक लिखने का प्रयास करे। इस काम में अपने शिक्षक से सहयोग ले।**

**उत्तर:** एक दिन स्कूल की किसी कक्षा में कलम, काँपी, ब्लैक बोर्ड और खिड़की आपस में बातें कर रहे थे-

**कलम-** यह कक्षा मेरे बिना अधूरी है। क्योंकि मेरी वजह से ही सभी बच्चे पढ़ पाते हैं।

**काँपी-** यह असम्भव है क्योंकि अगर मैं ही नहीं होती तो तुम किस पर लिखती।

**कलम-** तुमसे ज़्यादा लोग मुझे प्यार करते हैं इसी लिए वे मुझे हमेशा अपने पास रखते हैं।

**काँपी-** बात तो तुम सही कर रही हो परंतु मेरे बिना तुम अधूरी हो।

दोनों में झगड़ा होने लगता है।

**खिड़की-** चुप! सबसे महत्वपूर्ण मैं हूँ क्योंकि मेरे वजह से ही कक्षा में शुद्ध वायु आती है और सभी बच्चे स्वस्थ रहते हैं। जब बच्चे स्वस्थ रहेंगे तभी वह पढ़ सकते हैं।

तीनों की लड़ाई होने लगती है फिर ब्लैक बोर्ड बोलता है-

**ब्लैक बोर्ड-** तुम सभी लोग पागल हो जो आपस में लड़ रहे हो हम सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं और अगर हम सब में से कोई भी नहीं होगा तो सभी का काम रुक जायगा।